



## भारतीय 'कॉयर' उद्योग

### प्रलिस के ललल:

कॉयर, एमएसएमई, इको मारक, कॉयर से संबधतल पहल ।

### मेन्स के ललल:

संसाधनों का संग्रहण, कॉयर उद्योग की स्थतलतल और उसका महत्त्व ।

## चरचा में क्यों?

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय ने तमललनाडु के कोयंबटूर में 'एंटरप्राइज़ इंडलल नेशनल कॉयर कॉन्कलेव 2022' का उदघाटन कलल ।

- यह आयोजन कॉयर और कॉयर उत्पादों के उत्पादन को बढ़ावा देने तथा इनके अनुप्रयोग के नए क्षेत्रों की पहचान करने के ललल राज्‍य एवं केंद्र सरकारों के बीच एक समन्वतल प्रयास के रूप में आयोजतल कलल जा रहा है ।
- प्राकृतकल रूप से नमिनीकरण योग्‍य, पर्यावरण के अनुकूल उत्पाद के रूप में कॉयर के उपयोग को बढ़ावा देने के ललल 6 मई, 2022 कोरन फॉर कॉयर' का भी आयोजन कलल जा रहा है । इस दौड़ में गणमान्‍य व्‍यक्तलतल, कॉलेज के छात्रों और आम जनता सहतल एक हजार से अधकल लोगों के भाग लेने की उम्मीद है ।

## कॉयर:

- यह प्रकृतल में नारयल के एक उपोत्पाद के रूप में पाया जाने वाला 'नारयल पाम' द्वारा प्रचुर मात्रा में उत्पादतल पदार्थ है ।
- यह प्राकृतकल रूप से पाया जाने वाला रेशेदार पदार्थ है जो नारयल के खोल के बाहर पाया जाता है जसलल प्राकृतकल रूप से उपयोग के ललल संसाधतल कलल जाता है ।
- कॉयर का उपयोग सदतल से नावकलों द्वारा रस्सी के रूप में सामान को बाँधने तथा जहाजों के केबल्स (Ship Cables) के ललल कलल जाता रहा है ।
- आज कॉयर का उपयोग उत्पादों के वर्गीकरण करने हेतु कलल जाता है, जसललमें कालीनों और डोरमैट से लेकर प्लांट पॉट्स व हैंगल बास्केट लाइनर्स, खेती में उपयोग होने वाली बागवानी सामग्री और मृदा क्षरण को नरतलरण करने के ललल उपयोग की जाने जाली शीट्स शामिल हैं । कुछ पोटगल मकलस उत्पादों में भी कॉयर का उपयोग कलल जाता है ।

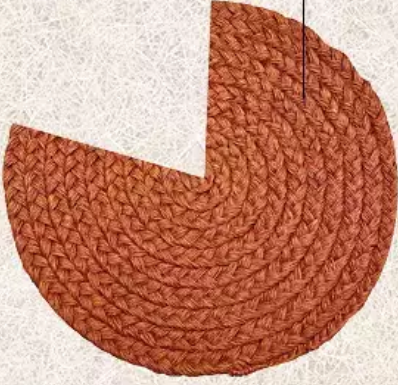
## भारत में कॉयर उद्योग की स्थतलतल:

- भारत सरकार द्वारा देश में कॉयर उद्योग के समग्र सतत् वकलस हेतु कॉयर उद्योग अधनललम, 1953 के तहत कॉयर बोर्ड की स्थापना की गई थी ।
- बोर्ड के कार्य वैज्‍जानकल, तकनीकी और आर्थकल अनुसंधान, आधुनकलकरण, गुणवत्ता सुधार, मानव संसाधन वकलस, बाज़ार संवर्द्धन तथा इस उद्योग में लगे सभी लोगों का कल्ल्याण करना, उन्हें सहायता प्रदान करना व प्रोत्साहतल करना है ।
- कॉयर उद्योग अधनललम के तहत अधदलशों को कॉयर बोर्ड द्वारा वभलनलन योजनाओं/कार्यक्रमों के माध्यम से कार्यान्वतल कलल जाता है, जसललमें अनुसंधान और वकलस गतलधलतल, प्रशकलषण कार्यक्रम, कॉयर इकाइयों की स्थापना के ललल वतलतलल सहायता प्रदान करना, घरेलू और नरलयात बाज़ार का वकलस करना, कर्मचारतलों के ललल कल्ल्याणकारी उपाय आदल शामिल हैं ।

## IN A NUTSHELL

# 80%

India's share of global coir fibre production



## 9 lakh tonnes

Coir fibre produced in the country every year

## 7.5 lakh tonnes

Coir fibre exported from India to China annually



## 22,000

Units involved in coir activities spread across 14 states



## 10 lakh

People employed directly/indirectly by the industry



## ₹4,000cr

Value of coir and related products exported annually

## महत्वः

- **रोज़गारः**
  - नारयिल उत्पादक राज्यों के ग्रामीण क्षेत्रों में कॉयर उद्योग 7 लाख से अधिक लोगों को रोज़गार प्रदान करता है।
    - दलितसभ बात यह है कि इनमें से 80% कारीगर महिलाएँ हैं, लेकिन इसका उत्पादन अब तक देश के दक्षिणी नारयिल उत्पादक राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों तक ही सीमित है।
- **नरियातः**
  - वर्ष 2020-21 के दौरान भारत से कॉयर और कॉयर उत्पादों के नरियात ने पिछले वर्ष की तुलना में 1021 करोड़ रुपए से अधिक की वृद्धि के साथ 3778.98 करोड़ रुपए का अब तक का उच्च रिकॉर्ड दर्ज किया है।
- **घरेलू खपतः**
  - दुनिया भर में सालाना उत्पादित कॉयर फाइबर की 50% से अधिक खपत मुख्य रूप से भारत में ही होती है।
  - पर्यावरण के अनुकूल उत्पादों के प्रति बढ़ती जागरुकता ने घरेलू और वदेशी बाजारों में कॉयर एवं कॉयर उत्पादों की मांग में वृद्धि की है।
- **पर्यावरण के अनुकूलः**
  - कॉयर उत्पाद प्रकृति में पर्यावरण के अनुकूल हैं और भारत के वन एवं पर्यावरण मंत्रालय, द्वारा इसे "इको मार्क" से प्रमाणित किया गया है।
  - कॉयर उत्पाद पर्यावरण को बचाते हैं और ग्लोबल वार्मिंग को कम करने में मदद करते हैं।
  - मृदा के कटाव को रोकने के लिये कॉयर जियो टेक्सटाइल्स के उपयोग, कॉयर पथि (Coir Pith) को एक मूल्यवान जैव-उर्वरक और मृदा कंडीशनर में बदलने तथा कॉयर गार्डन उत्पाद जैसे कॉयर के नए अंतिम उपयोग अनुप्रयोगों ने भारत व वदेशों में लोकप्रियता हासिल की है।

## कॉयर से संबंधित कुछ भारतीय पहलें:

- **कॉयर जियो टेक्सटाइलः**

- कॉयूर जयिओ टेकसटाइल प्राकृतिक रूप से सडन, गलन और नमी के लयि परतरिधी हैं और कसिी भी माइक्रोबयिल हमले से मुक्त होते हैं, इसलयि इसे कसिी रासायनिक उपचार की आवश्यकता नहीं होती है।
- **कॉयूर उद्यमी योजना:**
  - कॉयूर उद्यमी योजना 10 लाख रुपए तक की परयोजना लागत और कार्यशील पूंजी के एक चक्र के साथ कॉयूर इकाइयों की स्थापना के लयि एक क्रेडिट लिंक्ड सब्सिडी योजना है, जो परयोजना लागत के 25% से अधिक नहीं होगी। यह योजना कॉयूर बोर्ड द्वारा क्रयान्वति की जा रही है।
- **कॉयूर विकास योजना:**
  - यह योजना घरेलू और नरियात बाजारों के विकास, कौशल विकास एवं प्रशिक्षण, महिलाओं के सशक्तीकरण, रोजगार/उद्यमिता, निर्माण और विकास, कच्चे माल के उपयोग में वृद्धि, व्यापार से संबंधित सेवाओं, कॉयूर श्रमिकों के लयि कल्याणकारी गतिविधियों आदिकी सुविधा प्रदान करती है।
  - यह कार्य नमिनलखिति 6 योजनाओं के माध्यम से कयिा जाता है:
    - कौशल उन्नयन और महिला कॉयूर योजना
    - नरियात बाजार संवर्द्धन (EMP)
    - उत्पादन अवसंरचना का विकास (DPI)
    - घरेलू बाजार संवर्द्धन (DMP)
    - व्यापार और उद्योग से संबंधित कार्यात्मक सहायता सेवाएँ (TRIFSS)
    - कल्याणकारी उपाय (समूह व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना)

## आगे की राह

- कॉयूर में अपार संभावनाएँ हैं, यह देश के [सकल घरेलू उत्पाद \(GDP\)](#) में MSME के हसिसे और नरियात को बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका नभिा सकता है।
- कॉयूर 'अपशष्टि से धन' का एक अच्छा उदाहरण है, यह पर्यावरण के अनुकूल है क्योंकि यह जल और मृदा के संरक्षण हेतु स्थायी समाधान प्रदान करता है।

## स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Referenece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/indian-coir-industry>

